जनजातीय समुदाय के उत्थान की दिशा में वी.यू. द्वारा छः नवीन परियोजनाओं के प्रस्ताव स्वीकृति हेतु म.प्र. शासन को प्रेषित

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर ने माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति की चुस्त प्रशासनिक क्षमता, प्रेरणा एवं मार्गदर्शन के परिणाम स्वरूप वित्तीय वर्ष 2018–19 के अंर्तगत कुल छः नवीन अद्योसंरचनाओं से संबंधित परियोजनाओं के प्रस्ताव विधिवत तैयार करवाकर, निर्देशक, पशुपालन विभाग, म.प्र. शासन, भोपाल (म.प्र.) को विगत दिवस स्वीकृति हेतु भेजे गये हैं। जिनका कुल वित्तीय परिव्यय लगभग रू. 35 करोड़ 38 लाख एवं 97 हजार है। इस विषय पर जानकारी देते हुये, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, के कुलपति, डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल जी ने अवगत कराया कि इन अद्योसंरचनाओं से संबंधित परियोजनाओं के प्रस्तावों का उद्देश्य जनजातीय वर्ग के कृषकों, छात्र–छात्राओं एवं आदिवासी अंचलों के पशुधन के कल्याण को दृष्ट्रिगत रखते हुये लक्ष्यों का निर्धारण किया गया है।

छः नवीन अद्योसंरचनाओं से संबंधित परियोजनाओं में जनजातीय कृषक प्रशिक्षण केन्द्र, इमलिया, जबलपुर हेतु रू. 401.00 लाख, जनजातीय कृषक छात्रावास, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, महू एवं रीवा हेतु रू. 1024.92 लाख (रू. 512. 46 प्रति महाविद्यालय), जनजातीय 100–100 सीटों की क्षमता युक्त छात्राओं के छात्रावास हेतु पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर एवं महू हेतु रू. 1408.70 लाख (रू. 704.35 लाख प्रति महाविद्यालय) तथा जनजातीय 100 छात्रों की क्षमता हेतु पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, रीवा के लिये रू. 704.35 लाख के प्रस्तावों को भेजा गया है, जो भविष्य में जनजातीय कृषकों, छात्र–छात्राओं एवं पशुधन के विकास की दिशा में इस विश्वविद्यालय का एक अनुकरणीय प्रयास है। जिससे मध्यप्रदेश के अंर्तगत आने वाले आदिवासी अंचलों में जनजातीय समूहों की सामाजिक–आर्थिक समृद्धि में निर्णायक सिद्ध होगें। म.प्र. शासन से स्वीकृति अपेक्षित है, जिससे विश्वविद्यालय इस दिशा में उदेद्श्यों की प्राप्ति में अपने लक्ष्यों को क्रियान्वित करने में अग्रणी हो सकेगा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)